

and VIII in High Schools of selected educationally backward blocks in the country. Accordingly, the Scheme has been approved by the Government of India for implementation in 5,915 High Schools in 737 educationally backward *mandals* (equivalent of blocks) in Andhra Pradesh.

The Government of Andhra Pradesh consider this Scheme to be a very novel and highly useful to improve the retention of students in higher classes and to reduce the dropout rate, particularly in the rural areas where poverty and malnourishment of children is high. The Scheme, in its current pattern would pose certain operational difficulties in its implementation. Students belonging to other blocks in the State, which are not included in the Scheme, would feel deprived of this very useful Scheme for the cause of improving education. Further, in the High Schools selected for implementation of this Scheme, all of them have VI to X classes. It would be operationally difficult to provide mid day meals to students of only classes VI to VIII while students of IX and X classes would be mere onlookers. Also, it would be practically very difficult to identify and segregate the students of class VI to VIII from the rest of students.

For above reasons, it is requested to re-consider extension of Mid Day Meal Scheme (1) to all the blocks in Andhra Pradesh (2) to all the students of classes IX and X in each High school.

#### **Demand to develop Tamiya in Chhindwada District as a Tourist Place**

**सुश्री अनुसुइया उइके** (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं केन्द्र सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहती हूँ कि तामिया जिला छिन्दवाड़ा-सतपुड़ा पर्वतश्रेणी के शिखर पर स्थित आदिवासी क्षेत्र है। यहाँ की जलवायु बहुत ही सुहावनी रहती है एवं प्राकृतिक रूप से यह बहुत खूबसूरत है। इसी पर्वत श्रृंखला पर ब्रिटिशकाल में पचमढ़ी बसाया गया था, जहाँ पर दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

तामिया के करीब छोटा महादेव, वाटरफॉल, पातालकोट, अनहोनी में गरम पानी का झरना, सतधारा, पर्वतचोटी पर बड़ा महादेव जैसे दर्शनीय स्थल हैं। तामिया में विश्राम गृह से प्रकृति का मनोरम दृश्य दिखता है। पातालकोट नामक स्थल इतनी गहराई में स्थित है कि वहाँ पर सूर्य के दर्शन केवल दोपहर में, जबकि सूर्य सीधे ऊपर आता है, तभी होते हैं। इन सभी दर्शनीय स्थलों के पर्याप्त विकास की आज भी आवश्यकता है। महाराष्ट्र के पर्यटक काफी संख्या में पचमढ़ी के लिए इसी मार्ग से गुजरते हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में आदिवासी समुदाय निवास करता है, जो आज भी आधुनिक समाज से अछूता है। उसके पास जीविका के पर्याप्त साधन नहीं हैं, जबकि इस क्षेत्र में अपार प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ-ही-साथ दुर्लभ औषधीय पौधे एवं वनोपज हैं।

यदि इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाता है, तो निश्चित रूप से सरकार को भी आय प्राप्त होगी, साथ ही आदिवासी समुदाय को रोजगार के साधन भी मिलेंगे, जिससे उसका जीवन स्तर सुधरेगा।

मैं पर्यटन मंत्री से अनुरोध करना चाहती हूँ कि तामिया का सर्वे करवा कर पर्यटन केन्द्र विकसित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें, ताकि देश भर के पर्यटक इस स्थान को देख सकें।